निराशा को साइक्लॉजी थेरेपी से पूरी तरह से कर सकते हैं ठीक : डॉ. पवन

डीएन कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग में लगी कार्यशाला

भास्कर न्यूज | हिसार

डीएन कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग द्वारा ''साइक्लॉजी: ए न्यू साईंस ऑफ ह्यूमन बींगस'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डा. पवन कचोरिया मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि बदलाव के युग में हमें मनोविज्ञान को समझने व पढ़ने की आवश्यकता है। उन्होने बताया कि समाज में जिस प्रकार का तनाव व निराशा फैल चुकी है उसे मनोवैज्ञानिक शैलीयों से ठीक किया जा सकता है। वर्कशॉप में रिलेशनशिप काउंसलर डा. सुमन ने विद्यार्थियों को आपसी रिश्तों की समस्याओं व समाधान के तरीकों के बारे में बताया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डा. विक्रमजीत सिंह, अरुणा कद, डा. रेनू राठी, डा. शर्मिला गुनपाल, संदीप कुमार, प्रवीन कुमार, डा. सुमन, डा. दर्शना व लक्षिका आदि उपस्थित थे।

बदलाव के युग में मनोविज्ञान को समझने व पढ़ने की जरूरत : डा. विक्रमजीत

हिसार, 8 अप्रैल (ब्यूरो): दयानन्द महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग द्वारा ''साइक्लॉजी: ए न्यू साईंस ऑफह्यूमन बींगस'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. पवन कचोरिया मुख्य वक्ता रहे। डॉ. पवन कचोरिया प्रतिष्ठित क्लीनीकल साइकोलॉजिस्ट हैं तथा दयानन्द महाविद्यालय के पूर्व छात्र भी रहे हैं। इस कार्यशाला में डॉ. पवन कचोरिया के साथ उनकी पूरी टीम डॉ. सुमन, डॉ. दर्शना तथा मिस लक्षिका भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के आरम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने मनोविज्ञान के विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए बताया कि आज के इस बदलाव के युग में हमें मनोविज्ञान को समझने व पढ़ने की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इस विषय के माध्यम से समाज की सेवा भी कर सकते हैं।

इसके पश्चात् रिसोर्स पर्सन डॉ. पवन कचोरिया ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को मनोविज्ञान विषय को एक विज्ञान बताते हुए समझाया कि समाज में जिस प्रकार का तनाव व निराशा फैल चुकी है, उसे मनोवैज्ञानिक शैलीयों के माध्यम से ठीक किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति के जीवन में उसके आरम्भिक वर्षों का बहुत महत्व होता है जो आगे चलकर उसके व्यक्तित्व व विचारों को प्रभावित कर सकता है। अच्छे व बेहतर व्यक्तित्व के लिए अच्छा बचपन व अच्छा पालन-पोषण बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि हम अपने आस-पास किसी व्यक्ति को मानसिक रूप से अस्वस्थ व कमजोर पाते हैं तो उसकी मदद के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों को इस विषय की महत्ता को समझाते हुए इसकी उपयोगिता पर बल दिया। इस कड़ी में डॉ. सुमन जो कि रिलेशनशिप काऊंसलर है ने विद्यार्थियों को आपसी रिश्तों की समस्याओं व समाधान के तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने अलग-अलग थेरेपी के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी तथा यह आह्वान किया कि रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए मनोवैज्ञानिक सलाह बहुत ही महत्वपूर्ण है।

इसी कड़ी में डॉ. दर्शना ने भी विद्यार्थियों को दिन-प्रतिदिन के तनाव व खिंचाव के बीच खुश रहकर आनंद लेना ही आर्ट ऑफ लीविंग है तथा समारात्मक रहकर व्यक्ति तनाव व चिंता को दूर कर जीवन में खुशी व आनंद प्राप्त कर सकते हैं। मिस लक्षिका ने भी विद्यार्थियों को साइक्लोजिकल थेरेपीज की जानरी दी तथा बताया कि इसमें वे अपने बेहतर भविष्य बना सकते हैं। कार्यशाला में विभागाध्यक्षा अरूणा कद, डॉ. रेनू राठी, डॉ. शर्मिला गुनपाल, संदीप कुमार तथा प्रवीन कुमार उपस्थित रहे।

मनोवैज्ञानि शैली तनाव व निराशा को ठीक करने में सहायक : डॉ. कचोरिया

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय में शनिवार को मनोविज्ञान विभाग द्वारा साइक्लॉजी: ए न्यू साइंस ऑफ ह्यूमन बींगस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित क्लीनीकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. पवन कचोरिया मुख्य वक्ता रहे। कार्यशाला के आरम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने सभी वक्ताओं का स्वागत व अभिनन्दन किया। डॉ. पवन कचोरिया ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को मनोविज्ञान विषय को एक विज्ञान बताते हुए समझाया कि समाज में जिस प्रकार का तनाव व निराशा फैल चुकी है उसे मनोवैज्ञानिक शैलियों के माध्यम से ठीक किया जा सकता है। एक व्यक्ति के जीवन में उसके आरम्भिक वर्षों का बहुत महत्व होता है जो आगे चलकर उसके व्यक्तित्व व विचारों को प्रभावित कर सकता है। अच्छे व बेहतर व्यक्तित्व के लिए अच्छा बचपन व अच्छा पालन-पोषण बहुत ही महत्वपूर्ण है।

हिसार। डॉ. पवन कचोरिया को स्मृति चिन्ह देते प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत।

A New Science
Being
Kumar